

1000/Repor_1

SHRI LAVU SRI KRISHNA DEVARAYALU (NARASARAOPET): There is a recent judgement by the Supreme Court which has opened a Pandora's box with respect to how NCLT can admit an insolvency application. Added to this, it has also widely been reported that in 15 Benches across the nation, which are looking into NCLT, there has been almost 50 per cent vacancy until 2020. So, can the hon. Minister state the details of the members retiring in 2022, and the measures being taken to fill up these vacancies?

RAO INDERJIT SINGH: There are 62 posts in the NCLT, including one post of Chairman. Out of this, today, 30 posts are filled up and there is one Chairman of these 30 Benches. Sir, 15 posts of members became vacant, and in June the Chief Justice of India has taken interviews of a number of people to fill up these vacancies. Another 15 vacancies already exist. They have been advertised, and will be filled up as and when the Chief Justice of India takes interviews of the gentlemen who will apply for these posts.

PROF. SOUGATA RAY (DUM DUM): NCLT is the main organisation which decides on the IBC cases, that is Insolvency and Bankruptcy Code cases. IBC cases relate to companies which have gone into liquidation, which decides on the haircut and the compensation to be paid to debtors, and also to workers or employees of the company. As it is, 32 posts are still vacant, and only 76 per cent of the cases are being dealt with. Sir, 20,000 cases are pending ok

1005/Repor_2

माननीय अध्यक्ष के मार्गदर्शन में कई कदम उठाए गए हैं सभी मामलों के संवेदनशील संचालन के लिए जो आसानी से सुधार में योगदान कर सकते हैं

सदन की कार्यवाही में सदस्यों की भागीदारी। इन उपायों में शामिल हैं बेहतर अनुसंधान सहायता के संदर्भ में सभी सदस्यों को आवश्यक सुविधा,

सक्रिय पुस्तकालय सेवाएं, कल्याण और आवास, शीघ्र चिकित्सा सहायता, आदि इसके अलावा, अधिक दक्षता लाने में मदद करने के लिए डिजिटल उपकरणों को बढ़ावा दिया जा रहा है और

लोकसभा के कामकाज में पारदर्शिता। उपायों की भरमार है अभूतपूर्व चुनौतियों का सामना करने के लिए समय पर और अच्छी तरह से कल्पना की गई साबित हुई

पिछले दो वर्षों के सबसे अच्छे हिस्से के लिए कोविड -19 महामारी द्वारा, बेहतर दिया गया के साथ तुलना करने पर XVII लोक सभा में प्रदर्शन और उत्पादकता पिछला साल। पत्रिका

25 मई 2019 को गठित 17वीं लोकसभा की पहली बैठक 17 जून 2019 को हुई। अब तक पांच सत्र हो चुके हैं। सर्वसम्मति बनाने में माननीय अध्यक्ष द्वारा किए गए अथक प्रयास का फल

राजनीतिक दलों और सदस्यों के बीच ओवरटाइम काम करने और बैठकों के सुचारु कामकाज को सुनिश्चित करने के लिए है उच्च कार्य उत्पादकता से स्पष्ट है जो वर्तमान लोकसभा की पहचान रही है।

माननीय सदस्यों ने कोरोना की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी देर रात तक सदन में काम किया महामारी। नतीजतन, 17वीं लोकसभा के पहले 5 सत्रों के दौरान औसत प्रदर्शन रहा है 122.2%, जो हाल के वर्षों में सबसे अधिक है।